खरगोश की एक और रेस

स्वाध्याय

परिच्छेद 1

अपनी पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक 31, 32 पर दी गई पंक्तियाँ (1 से 24 तक) पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ कीजिए:

[एक गाँव में ....

.... तैयार हो गया।

आकलन कृतियाँ

कृ.1. आकृति पूर्ण कीजिए:

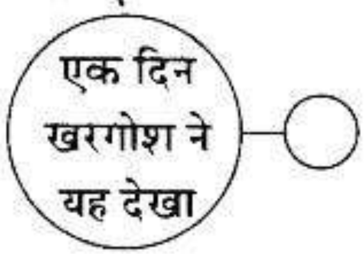

उत्तर: दौड़ती जा रही रेलगाड़ी।

कृ.2. आकृति पूर्ण कीजिए:

खरगोश यह सोचकर गर्व से फूल उठा

(1) (2)

उत्तर: 1. वह रेलगाड़ी की तरह तेज दौड़ सकता है।

2. वन में ऐसा कोई जानवर नहीं जो दौड़ में उसका मुकाबला कर सके।

कृ.3. आकृति पूर्ण कीजिए:

दूसरे दिन खरगोश की हरकत — ( )

उत्तर: खरगोश रेलगाड़ी के साथ-साथ दौड़ पड़ा।

कृ.4. आकृति पूर्ण कीजिए:

(1) (2) (3)

खरगोश के रेलगाड़ी से जीतने के कारण

उत्तर: 1. वह एक सवारी गाड़ी थी।

2. वह हर एक स्टेशन पर खड़ी होती थी।

3. खरगोश बिना रुके दौड़ता गया।

कृ.5. आकृति पूर्ण कीजिए:

उत्तर: 1. खरगोश का मन बाँसों उछल पड़ा।

2. उसने सोचा-वह रेलगाड़ी से भी अधिक तेज दौड़ सकता है।

कृ.6. आकृति पूर्ण कीजिए:

उत्तर: 1. वन में उसके समान कोई नहीं है।

2. उसने दौड़ में रेलगाड़ी को भी पछाड़ दिया।

कृ.7. आकृति पूर्ण कीजिए:

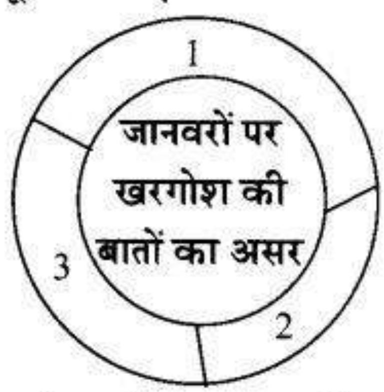

उत्तर: 1. वन के सभी जानवर खरगोश की बातों में आ गए।

2. वे सचमुच खरगोश को सबसे अच्छा मानने लगे।

3. वे आदर से खरगोश को नमन भी करने लगे।

कृ.8. आकृति पूर्ण कीजिए:

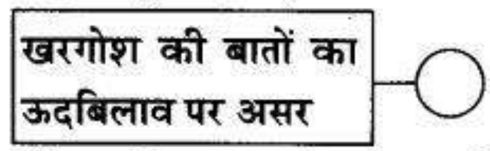

उत्तर: उसे यह विश्वास न हुआ कि खरगोश रेलगाड़ी से भी तेज दौड़ सकता है।

कृ.9. आकृति पूर्ण कीजिए:

उत्तर: 1. जंगल के सभी जानवर खरगोश की प्रशंसा करते थे।

2. सभी यही मानते थे कि खरगोश रेलगाड़ी से भी ज्यादा तेज दौड़ सकता था।

कृ.10. आकृति पूर्ण कीजिए:

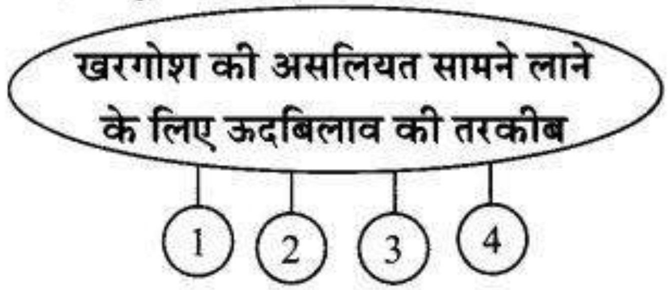

उत्तर: 1. एक दिन ऊदबिलाव खरगोश के घर पहुँचा।

2. उसने खरगोश की बड़ी प्रशंसा की।

3. खरगोश से कहा कि वह वन में सबसे श्रेष्ठ है।

4. खरगोश के सामने वन का राजा बनने के प्रस्ताव के साथ एक शर्त भी रखी।

कृ.11. आकृति पूर्ण कीजिए:

उत्तर: 1. खरगोश मन-ही-मन खुश हुआ।

2. वह वन का राजा बनने के लिए तैयार हो गया।

कृ.12.एक शब्द में उत्तर लिखिए:

1. एक गाँव में रहता था
2. खरगोश ने एक दिन देखी
3. कोई नहीं जो खरगोश का दौड़ में कर सके
4. ऊदबिलाव सोचने लगा

उत्तर: 1. खरगोश 2. रेलगाड़ी
3. मुकाबला 4. तरकीब

कृ.13.सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

1. दूसरे दिन खरगोश की नजर _______ पर पड़ी।
(वन, गाजर, रेलगाड़ी)
2. कुछ दूर जाकर रेलगाड़ी _______ पर खड़ी हो गई।
(प्लेटफार्म, स्टेशन, स्टाप)
3. वन के सभी जानवर _______ की बातों में आ गए।
(खरगोश, ऊदबिलाव, रेलगाड़ी)
4. उसी वन में एक _______ भी रहता था।
(खरगोश, ऊदबिलाव, हाथी)

उत्तर: 1. रेलगाड़ी 2. स्टेशन
3. खरगोश 4. ऊदबिलाव

कृ.14. संगत शब्द खोजकर लिखिए:

1. रेलगाड़ी भागी / दौड़ी जा रही थी।
2. खरगोश गर्व से फूल / झूम उठा।
3. खरगोश का मन बाँसों / बल्लियों उछल पड़ा।
4. खरगोश को भला यह क्यों स्वीकार / इनकार होता?

उत्तर: 1. दौड़ी 2. फूल
3. बाँसों 4. इनकार

क्र.15.निम्नलिखित विधान सत्य हैं या असत्य, लिखिए:

1. सवारी गाड़ी हर स्टेशन पर खड़ी होती थी। ☐
2. खरगोश सवारी रेलगाड़ी से बहुत पीछे रह गया। ☐
3. ऊदबिलाव बुद्धिमान नहीं था। ☐
4. खरगोश राजा बनने के लिए तैयार हो गया। ☐

उत्तर: 1. सत्य 2. असत्य
3. असत्य 4. सत्य

क्र.16.उचित जोड़ियाँ मिलाइए:

	अ		**ब**
1	खरगोश	अ	गाड़ी
2	सवारी	ब	बुद्धिमान
3	रेलगाड़ी	क	सबसे तेज
4	ऊदबिलाव	ड	स्टेशन

उत्तर: (1 - क), (2 - अ), (3 - ड), (4 – ब)।

कृ.17. सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए:

1.
- **रेलगाड़ी दौड़ी**
  - -दौड़ी आ गई।
  - भागी जा रही थी।
  - जा रही थी।

2.
- **उधर खरगोश**
  - दौड़ता ही रहा।
  - रुक गया।
  - सो गया।

3.
- **ऊदबिलाव तरकीब पर**
  - तरकीब सोचने लगा।
  - विश्वास करता था।
  - सोच नहीं पाया।

4.
- **खरगोश सचमुच वन**
  - में तेज दौड़ता है।
  - में सबसे श्रेष्ठ है।
  - का राजा है।

उत्तर: 1. रेलगाड़ी दौड़ी **जा रही थी।**

2. उधर खरगोश **दौड़ता ही रहा।**

3. ऊदबिलाव तरकीब पर **तरकीब सोचने लगा।**

4. खरगोश सचमुच वन **में सबसे श्रेष्ठ है।**

कृ.18.निम्नलिखित विधानों को परिच्छेद में आए उनके क्रमानुसार लिखिए:

1. एक दिन ऊदबिलाव खरगोश के घर पहुँचा।
2. खरगोश वन का राजा बनने के लिए तैयार हो गया।
3. उसी वन में एक ऊदबिलाव भी रहता था।
4. एक दिन खरगोश ने एक रेलगाड़ी देखी।

उत्तर: 1. एक दिन खरगोश ने एक रेलगाड़ी देखी।
2. उसी वन में एक ऊदबिलाव भी रहता था।
3. एक दिन ऊदबिलाव खरगोश के घर पहुँचा।
4. खरगोश वन का राजा बनने के लिए तैयार हो गया।

कृ.19.'गाड़ी' शब्द को जोड़कर नए शब्द बनाइए, जैसे – रेलगाड़ी

1. _______	2. _______
3. _______	4. _______

उत्तर: 1. मालगाड़ी 2. घोड़ागाड़ी
3. बैलगाड़ी 4. मोटरगाड़ी

व्याकरण कृतियाँ

कृ.1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए:

1. स्पर्धा 2. होशियार

3. युक्ति 4. तारीफ

उत्तर: 1. मुकाबला 2. बुद्धिमान

3. तरकीब 4. प्रशंसा

कृ.2. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए:

अनादर	1	अविश्वास	2
निकृष्ट	3	स्वीकार	4

उत्तर: 1. आदर 2. विश्वास

3. श्रेष्ठ 4. इनकार

कृ.3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए:

1. रेलगाड़ी 2. मुकाबला

उत्तर: 1. रेलगाड़ियाँ 2. मुकाबले

कृ.4. सार्थक शब्द बनाकर लिखिए:

1.	शु	मा	बु	न	द्	धि
2.	बि	ला	ऊ	व	वा	द

उत्तर: 1. बुद्धिमान 2. ऊदबिलाव

कृ.5. निम्नलिखित शब्दों को शद्ध करके लिखिए:

1. मुक्काबला 2. पछार

3. उद्दबिलाव 4. तरकिब

उत्तर: 1. मुकाबला 2. पछाड़
3. ऊदबिलाव 4. तरकीब

क्र.6. रेखांकित वाक्यांश के बदले कोष्ठक में दिए सही मुहावरों को चुनकर वाक्य फिर से लिखिए:
(गर्व से फूल उठना, दम के दम में, बाँसों उछल पड़ना, पछाड़ देना)

1. कक्षा में प्रथम आने पर अंकित गर्वोन्नत हो गया।
2. पिकनिक जाने की सूचना पाकर सभी छात्र प्रसन्नता से नाचने-कूदने लगे।
3. खली ने कुश्ती में सबको बुरी तरह हरा दिया।

उत्तर: 1. कक्षा में प्रथम आने पर अंकित **गर्व से फूल उठा**।
2. पिकनिक जाने की सूचना पाकर सभी छात्रों का मन **बाँसों उछल पड़ा।**
3. खली ने कुश्ती में सबको बुरी तरह **पछाड़ दिया।**

क्र.7. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:

1. खरगोश रेलगाड़ी का साथ-साथ दोड़ पड़ा।
2. वन की सभी जानवर खरगोश के बातों में आ गए।

उत्तर: 1. खरगोश रेलगाड़ी **के** साथ-साथ **दौड़** पड़ा।
2. वन **के** सभी जानवर खरगोश **की** बातों में आ गए।

कृ.8. उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके निम्नलिखित वाक्य पुन: लिखिए:

1. खरगोश ने मन में सोचा क्या वह रेलगाड़ी की तरह तेज नहीं दौड़ सकता

2. उसने सोचा वह रेलगाड़ी से भी अधिक तेज दौड़ सकता है

उत्तर: 1. खरगोश ने मन में सोचा: क्या वह रेलगाड़ी की तरह तेज नहीं दौड़ सकता?

2. उसने सोचा-वह रेलगाड़ी से भी अधिक तेज दौड़ सकता है।

कृ.9. निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए:

1.	समान	2.	आदर
उत्तर: 1.	अ + समान असमान	2.	अन + आदर अनादर

कृ.10. निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए:

1.	अधिक	2.	आदर
3.	विश्वास	4.	खुश
उत्तर: 1.	अधिकतम	2.	आदरणीय
3.	विश्वासघात	4.	खुशहाली

क्र.11.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय शब्द खोजकर भेद सहित लिखिए:

1. खरगोश अवश्य दौड़ सकता है।
2. खरगोश ने शर्त मान ली क्योंकि वय घमंड में फूला था।

उत्तर: 1. अवश्य – (क्रियाविशेषण अव्यय)

2. क्योंकि – (संबंधसूचक अव्यय)

क्र.12.निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्दों में से संज्ञा व विशेषण पहचानकर लिखिए:

1. खरगोश रेलगाड़ी से भी अधिक तेज है।
2. वन में ऊदबिलाव सबसे बुद्धिमान था।

उत्तर:

	संज्ञा	विशेषण
1.	खरगोश, रेलगाड़ी	तेज
2.	वन, ऊदबिलाव	बुद्धिमान

क्र.13.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त काल के उपभेद पहचानकर लिखिए:

1. रेलगाड़ी दौड़ी जा रही थी।
2. कल वह रेलगाड़ी के साथ मुकाबला करेगा।
3. वह एक सवारी गाड़ी थी।
4. वह रेलगाड़ी से भी अधिक तेज दौड़ता है।

उत्तर: 1. अपूर्ण भूतकाल 2. सामान्य भविष्यकाल
3. पूर्ण भूतकाल 4. सामान्य वर्तमानकाल

कृ.14. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए:

1. मुकाबला 2. विश्वास

उत्तर: 1. कुश्ती का **मुकाबला** बड़ा रोचक होता है।
2. हर किसी पर आँख मूँदकर **विश्वास** नहीं करना चाहिए।

पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तरी

कृ.1. रेलगाड़ी देखकर खरगोश के मन में कौन-से विचार आए?

उत्तर: खरगोश जंगल के अन्य प्राणियों की अपेक्षा बहुत तेजी से दौड़ता था। अपनी इसी क्षमता पर उसे बहुत घमंड था। एक दिन जंगल के बाहर टहलते हुए उसने एक रेलगाड़ी को तेजी से दौड़ते हुए देखा। रेलगाड़ी को दौड़ते देखकर खरगोश के मन में यह विचार आया कि क्या वह रेलगाड़ी की तरह तेज नहीं दौड़ सकता? उसने मन-ही-मन सोचा कि वन में कोई भी जानवर दौड़ में उसका मुकाबला नहीं कर सकता, इसलिए वह रेलगाड़ी को भी आसानी से हरा सकता है। इस प्रकार रेलगाड़ी देखकर खरगोश के मन में उसे हराने का विचार आया।

कृ.2. वन के सभी प्राणी खरगोश का आदर क्यों करने लगे?

उत्तर: खरगोश को लगा कि उसने दौड़ में सवारी गाड़ी को पीछे कर दिया। उसके मन में यह बात घर कर गई कि वह रेलगाड़ी से भी अधिक तेज दौड़ सकता है। उसे इस बात का घमंड हो गया। अब वह अपने सामने किसी को कुछ भी नहीं समझता था। उसने वन में सबसे कहना शुरू कर दिया कि उसके समान वन में दूसरा कोई नहीं है, क्योंकि उसने रेलगाड़ी को भी हरा दिया। सारे जानवर खरगोश की बातों में आ गए और उसकी प्रशंसा करने लगे।

इस प्रकार खरगोश को सबसे तेज जानवर मानकर वन के सभी प्राणी उसका आदर करने लगे।

स्वमत अभिव्यक्ति

कृ.1. जीवन में प्रतियोगिता का महत्त्व।

उत्तर: इंसान के जीवन में प्रतियोगिता का बहुत महत्त्व होता है। प्रतियोगिता की भावना से प्रेरणा प्राप्त कर व्यक्ति विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ता है। जब बात विद्यार्थी जीवन की हो तो प्रतियोगिता की महत्ता स्वयं बढ़ जाती है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी कक्षा व स्कूल के होनहार विद्यार्थी से प्रेरणा लेनी चाहिए और अपनी कमियों का पता लगाकर उसे दूर करना चाहिए। यदि विद्यार्थी होनहार है तब भी उसे स्वयं को और अधिक प्रतिभावान बनाने की कोशिश करते रहना चाहिए। एक और महत्त्वपूर्ण मुद्दा यह है कि प्रतियोगिता सदैव सकारात्मक होनी चाहिए। सकारात्मक प्रतियोगिताओं से जहाँ विद्यार्थी अथवा व्यक्ति विकास करता है, वहीं नकारात्मक प्रतियोगिताएँ पतन का कारण बनती हैं।

परिच्छेद 2

अपनी पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक 32 पर दी गई पंक्तियाँ (25 से 44 तक) पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ कीजिए:

[पर ऊदबिलाव ने ....

.... उठाना पड़ता है'।]

आकलन कृतियाँ

कृ.1. आकृति पूर्ण कीजिए:

(1) — **ऊदबिलाव की शर्त** — (2)

उत्तर: 1. ऊदबिलाव जंगल के सभी जानवरों को इकट्ठा करेगा।

2. खरगोश को सबके सामने रेलगाड़ी से तेज दौड़कर दिखाना होगा।

कृ.2. आकृति पूर्ण कीजिए:

खरगोश ने ऊदबिलाव की शर्त मान ली, क्योंकि → [ ]

उत्तर: वह घमंड में फूला हुआ था।

कृ.3. आकृति पूर्ण कीजिए:

खरगोश की मूर्खता → [ ]

उत्तर: वह यही समझता था कि वह रेलगाड़ी से भी ज्यादा तेज दौड़ सकता है।

कृ.4. आकृति पूर्ण कीजिए:

एक दिन सुबह के समय → (1) (2)

उत्तर: 1. जंगल के सभी जानवर एक पेड़ के नीचे इकट्ठा हुए।

2. ऊदबिलाव ने खरगोश की बड़ी प्रशंसा की।

कृ.5. आकृति पूर्ण कीजिए:

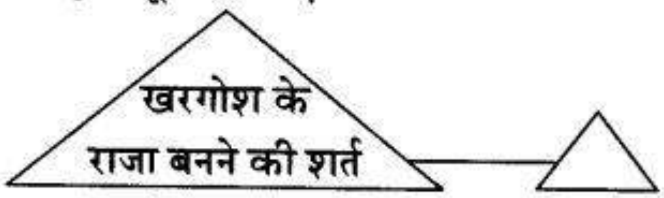

उत्तर: यदि खरगोश आज रेलगाड़ी से तेज दौड़कर दिखाएगा, तो उसे राजा बनाया जाएगा।

कृ.6. आकृति पूर्ण कीजिए:

उत्तर: 1. वह डाकगाड़ी थी।

2. कई स्टेशनों के बाद खड़ी होती थी।

3. उसकी चाल भी बड़ी तेज थी।

कृ.7. आकृति पूर्ण कीजिए:

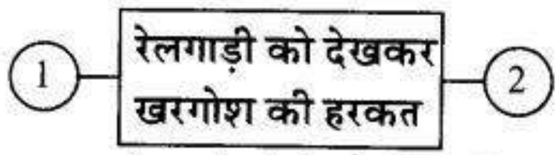

उत्तर: 1. रेलगाड़ी को देखते ही खरगोश उछला।

2. खरगोश रेलगाड़ी के साथ-साथ दौड़ पड़ा।

कृ.8. आकृति पूर्ण कीजिए:

उत्तर: 1. खरगोश उछल-उछलकर दौड़ता ही रहा।

2. काँटों की एक झाड़ी में जा गिरा।

3. वह लहूलुहान हो गया।

4. काँटों की झाड़ी में तड़प-तड़पकर दम तोड़ने लगा।

कृ.9. एक शब्द में उत्तर लिखिए:

1. ऊदबिलाव ने खरगोश के सामने रखी ☐
2. एक दिन पेड़ के नीचे इकट्ठा हुए सभी ☐
3. जीतने पर सब खरगोश को बनाएँगे ☐
4. सामने से आती हुई दिखाई पड़ी ☐

उत्तर: 1. शर्त 2. जानवर

3. राजा 4. रेलगाड़ी

कृ.10. सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

1. खरगोश ने _______ की शर्त मान ली।

(रेलगाड़ी, जानवरों, ऊदबिलाव)

2. ऊदबिलाव ने _______ की बड़ी प्रशंसा की।

(खरगोश, रेलगाड़ी, जानवरों)

3. ऊदबिलाव जंगल के सभी _______ के साथ खरगोश के पास पहुँचा।

(हाथियों, जानवरों, पशुओं)

4. खरगोश _______ तोड़ रहा था।

(दम, गाजर, पेड़)

उत्तर: 1. ऊदबिलाव 2. खरगोश

3. जानवरों 4. दम

क्र.11. असंगत शब्द खोजकर लिखिए:

1. खरगोश नशे / घमंड में फूला हुआ था।
2. खरगोश अपनी बेवकूफी / मूर्खता के कारण यही समझता था।
3. खरगोश आज सबके सामने गाकर / दौड़कर दिखाएगा।
4. डाकगाड़ी कई स्टेशनों / गाँवों के बाद खड़ी होती थी।

उत्तर: 1. नशे 2. बेवकूफी
3. गाकर 4. गाँवों

क्र.12. निम्नलिखित विधान सत्य हैं या असत्य, लिखिए:

1. खरगोश ने ऊदबिलाव की शर्त नहीं मानी। ☐
2. खरगोश घमंडी और मूर्ख निकला। ☐
3. खरगोश जंगल का राजा था। ☐
4. खरगोश ने रेलगाड़ी को पकड़ने की बहुत कोशिश की। ☐

उत्तर: 1. असत्य 2. सत्य
3. असत्य 4. सत्य

कृ.13. निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहे:

1. "फिर हम सब खरगोश को अपना राजा बनाएँगे।"

   यह वाक्य [ ] ने [ ] से कहा।

2. "भाइयों, यह खरगोश अपने को बहुत बढ़-चढ़कर समझता था।"

   यह वाक्य [ ] ने [ ] से कहा।

उत्तर: 1. ऊदबिलाव, जानवरों

2. ऊदबिलाव, जानवरों

कृ.14. सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए:

1. **खरगोश ने ऊदबिलाव की**
   - पोल खोल दी।
   - शर्त मान ली।
   - सच्चाई बता दी।

2. **ऊदबिलाव अपनी बात पूरी ही कर पाया था कि**
   - सामने से रेलगाड़ी आती हुई दिखाई पड़ी।
   - खरगोश दौड़ने लगा।
   - सभी जानवर भाग गए।

उत्तर: 1. खरगोश ने ऊदबिलाव की **शर्त मान ली।**

2. ऊदबिलाव अपनी बात पूरी ही कर पाया था कि **सामने से रेलगाड़ी आती हुई दिखाई पड़ी।**

कृ.15.निम्नलिखित विधानों को परिच्छेद में आए उनके क्रमानुसार लिखिए:

1. रेलगाड़ी सर-सर भागती हुई बहुत आगे निकल गई।
2. ऊदबिलाव जंगल के सभी जानवरों के साथ खरगोश के पास पहुँचा।
3. खरगोश रेलगाड़ी को देखते ही उछला।
4. जंगल के सभी जानवर एक पेड़ के नीचे इकट्ठा हुए।

उत्तर: 1. जंगल के सभी जानवर एक पेड़ के नीचे इकट्ठा हुए।

2. खरगोश रेलगाड़ी को देखते ही उछला।
3. रेलगाड़ी सर-सर भागती हुई बहुत आगे निकल गई।
4. ऊदबिलाव जंगल के सभी जानवरों के साथ खरगोश के पास पहुँचा।

व्याकरण कृतियाँ

कृ.1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए:

दाँव, गर्व, प्रयास, रक्तरंजित

उत्तर: 1. शर्त 2. घमंड
3. कोशिश 4. लहूलुहान

कृ.2. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए:

बुद्धिमानी, कम,
आगे, फायदा

उत्तर: 1. मूर्खता 2. ज्यादा
3. पीछे 4. नुकसान

कृ.3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए:

शर्त, डाकगाड़ी
अंधा, काँटे

उत्तर: 1. शर्तें 2. डाकगाड़ियाँ
3. अंधे 4. काँटा

कृ.4. सार्थक शब्द बनाकर लिखिए:

1.	न	कै	लु	हू	हा	ल
2.	सा	पि	न	क	नु	र

उत्तर: 1. लहूलुहान 2. नुकसान

कृ.5. शुद्ध-अशुद्ध शब्द छाँटकर लिखिए:

उदबिलाव, मुरखता, अन्धा, जियादा, ऊदबिलाव, स्टेशन, लहूलुहान, काँटा

उत्तर: शुद्ध शब्द : ऊदबिलाव, स्टेशन, लहूलुहान, काँटा.

अशुद्ध शब्द : उदबिलाव, मुरखता, अन्धा, जियादा

कृ.6. निम्नलिखित मुहावरों की उनके अर्थों के साथ जोड़ियाँ मिलाइए:

	अ		ब
1	पीछे छूट जाना	अ	खून से लथ-पथ होना
2	अंधा बन जाना	ब	मर जाना
3	लहूलुहान हो जाना	क	बराबरी न कर पाना
4	दम तोड़ना	ड	अनदेखी करना

उत्तर: (1 - क), (2 - ड), (3 - अ), (4 - ब)।

कृ.7. निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ बताकर उसका वाक्य में प्रयोग कीजिए:

1. घमंड में फूला होना

उत्तर: घमंड में फूला होना – अत्याधिक गर्व में रहना।

वाक्य: प्रिंसीपल का बेटा होने के कारण पंकज हमेशा **घमंड में फूला** रहता है।

कृ.8. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:

1. खरगोश की सबके सामने रेलगाड़ी का साथ दौड़ना था।
2. एक दिन सुबह के समय था।

उत्तर: 1. खरगोश **को** सबके सामने रेलगाड़ी **के** साथ दौड़ना था।

2. एक दिन सुबह **का** समय था।

कृ.9. निम्नलिखित वाक्य में आए विरामचिह्नों के नाम लिखिए:

1. खरगोश उछल-उछलकर दौड़ने लगा।
2. ऊदबिलाव ने सबको सुनाकर कहा, "भाइयों, यह खरगोश अपने को बहुत बढ़-चढ़कर समझता था।"

उत्तर: 1. (-) संयोजक चिह्न,

(।) पूर्णविराम

2. (,) अल्पविराम,

("") युगल अवतरण चिह्न,

(।) पूर्णविराम

कृ.10. निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए:

शर्त, दम, हाल, बल

उत्तर: 1. स + शर्त
सशर्त

2. बे + दम
बेदम

3. बे + हाल
बेहाल

4. दुः + बल
दुर्बल

क्र.11.निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए:

अंधा, दम, बल, नुकसान

उत्तर: 1. अंधा + पन
अंधापन

2. दम + दार
दमदार

3. बल + वान
बलवान

4. नुकसान + देह
नुकसानदेह

क्र.12.निम्नलिखित अव्यय शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए:

1. सामने
2. प्रतिदिन

उत्तर: 1. खरगोश के **सामने** एक शेर आ गया।

2. हमें **प्रतिदिन** पढ़ाई करनी चाहिए।

कृ.13.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त संज्ञाएँ खोजकर लिखिए:

1. ऊदबिलाव ने खरगोश के सामने एक शर्त रखी।
2. खरगोश रेलगाड़ी के साथ-साथ दौड़ पड़ा।

उत्तर: 1. ऊदबिलाव, खरगोश, शर्त

2. खरगोश, रेलगाड़ी

कृ.14.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त विशेषण खोजकर लिखिए:

1. रेलगाड़ी की चाल बड़ी तेज थी।
2. खरगोश घमंडी और मूर्ख निकला।

उत्तर: 1. बड़ी, तेज 2. घमंडी, मूर्ख

कृ.15.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त सर्वनाम खोजकर लिखिए:

1. वह रेलगाड़ी से भी ज्यादा तेज दौड़ सकता है।
2. फिर हम सब खरगोश को राजा बनाएँगे।

उत्तर: 1. वह 2. हम

कृ.16.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रियाएँ खोजकर लिखिए:

1. खरगोश ने ऊदबिलाव की शर्त मान ली।
2. खरगोश आज सबके सामने दौड़कर दिखाएगा।

उत्तर: 1. मान ली

2. दौड़कर दिखाएगा

क्र.17.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त काल के उपभेद पहचानकर लिखिए:

1. जंगल के सभी जानवर एक पेड़ के नीचे इकट्ठा हुए।
2. तब खरगोश जंगल का राजा बन ज़ाएगा।
3. खरगोश दम तोड़ रहा था।
4. उसका यही हाल होता है।

उत्तर: 1. सामान्य भूतकाल

2. सामान्य भविष्यकाल

3. अपूर्ण भूतकाल

4. सामान्य वर्तमानकाल

क्र.18.निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए:

1. शर्त 2. घमंड

उत्तर: 1. हमें सोच-समझकर **शर्त** लगानी चाहिए।

2. हमें **घमंड** नहीं करना चाहिए।

क्र.19.परिच्छेद में आए द्विरुक्त (दोहरावववाले) शब्द लिखिए:

उत्तर: 1. साथ-साथ 2. सर-सर

3. उछल-उछलकर 4. तड़प-तड़पकर

पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तरी

क्.1. खरगोश काँटों की झाड़ी में तड़प-तड़पकर दम क्यों तोड़ने लगा?

उत्तर: ऊदबिलाव की शर्त के अनुसार खरगोश को रेलगाड़ी के साथ दौड़ लगानी थी और जीतने पर उसे जंगल का राजा बनाया जाता। खरगोश जिस रेलगाड़ी के साथ दौड़ रहा था वह एक डाकगाड़ी थी। डाकगाड़ी कई स्टेशनों के बाद खड़ी होती थी। इस वजह से उसकी गति भी बड़ी तेज थी। डाकगाड़ी तेज भागते-भागते बहुत दूर निकल गई और खरगोश बहुत पीछे छूट गया। गाड़ी को पकड़ने की कोशिश में खरगोश एक कँटीली झाड़ी में गिर गया। उसका शरीर लहूलुहान हो गया। शरीर पर आए जख्मों की पीड़ा से वह तड़पने लगा।

इस प्रकार खरगोश काँटों की झाड़ी में घायल होने के कारण तड़प-तड़पकर दम तोड़ने लगा।

क्र.2.'खरगोश की एक और रेस' इस कहानी द्वारा हमें क्या सीख मिलती है?

उत्तर: प्रस्तुत कहानी 'खरगोश की एक और रेस' में एक ऐसे खरगोश का उल्लेख किया गया है, जिसे अपनी तेज रफ्तार पर बड़ा गर्व है। एक बार उसने सवारीगाड़ी को दौड़ में हरा दिया। उसके बाद से उसका गर्व और अधिक बढ़ जाता है। वह अपने आपको बहुत सक्षम मानने लगता है। डाकगाड़ी के साथ हुई दौड़ में खरगोश हार जाता है। तेज भागने के चक्कर में वह कँटीली झाड़ियों में गिरकर तड़पकर अपना दम तोड़ने लगता है। खरगोश की इस दयनीय अवस्था से यह सीख मिलती है कि हमें कभी भी अपने को बहुत बड़ा मानना नहीं चाहिए। अपने बल पर घमंड नहीं करना चाहिए। अपनी क्षमता के अनुसार कार्य करना चाहिए नै कि उससे बढ़कर। अपनी क्षमता से अधिक काम करना हमेशा नुकसानदायक होता है।

क्र.3. ऊदबिलाव ने अपनी बुद्धिमानी का कैसे परिचय दिया?

उत्तर: एक दिन ऊदबिलाव खरगोश के घर पहुँचा। उसने खरगोश की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह सबसे श्रेष्ठ है, इसलिए उसे ही वन का राजा बनना चाहिए। खरगोश खुशी-खुशी राजा बनने के लिए तैयार हो गया, लेकिन इसके लिए ऊदबिलाव ने खरगोश के समक्ष शर्त रखी कि उसे सबके सामने रेलगाड़ी से तेज़ दौड़कर दिखाना होगा। खरगोश घमंड में फूला हुआ था। सभी जानवर निश्चित दिन एक पेड़ के नीचे

इकट्ठा हुए। इतने में सामने से आ रही डाकगाड़ी का मुकाबला करने के लिए खरगोश तैयार हो गया। वह कई स्टेशनों के बाद रुकती थी, इसलिए उसकी गति बहुत तेज़ थी। खरगोश घमंड में अंधा हो चुका था। गाड़ी को पकड़ने की कोशिश में वह झाड़ी में जा गिरा और घायल हो गया, जिसके कारण तड़प-तड़पकर दम तोड़ने लगा।

इस प्रकार खरगोश का घमंड तोड़कर ऊदबिलाव ने अपनी बुद्धिमानी का परिचय दिया।

स्वमत अभिव्यक्ति

कृ.1. **'घमंड' से व्यक्ति का सिर्फ नुकसान होता है, इस आशय को स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर: यह सच है कि हमें कभी घमंड नहीं करना चाहिए। मेरे मतानुसार घमंड एक दुर्गुण है, जो हमारा ही नुकसान करता है। अपनी किसी उपलब्धि पर घमंड हो जाने पर उस व्यक्ति की प्रगति रुक जाती है। वह यह समझने लगता है कि उसे सब कुछ आता है, तो अब नया कुछ सीखने की क्या जरूरत है। घमंडी व्यक्ति को जल्दी गुस्सा आता है। यदि कोई उसकी प्रशंसा न करे, तो वह नाराज हो जाता है। घमंडी व्यक्ति की झूठी तारीफ कर कोई भी उसे मूर्ख बना सकता है। घमंड में आकर व्यक्ति विवेकहीन हो जाता है। उसकी सोचने-समझने की शक्ति कुंद पड़ जाती है। इस तरह घमंड करने वाले का नुकसान होता है। अत: हमें कभी किसी भी बात पर घमंड नहीं करना चाहिए।